

अथर्ववेदांग का पत्रक अंक ६

ASHA ARCHIVES

2380

ASHA ARCHIVES

स्वस्ति श्रीगणेशाय नमः ॥ १ ॥ मुशलिपिपलावानुपि योजा मुशलिपिपला मरिव
षानुडहदो निको हो २ मुशलिभृंगिराज षानुहसा जा ३ मुशलिजवानुषानुवायु
जा ४ मुशलिमहिषानुपेटकाजुकाजा ५ मुशलिबिजयाषानुसर्ववायुजा ६
मुशलिनिगुटिषानुसरिसुषहो ७ मुशलिचिताकाजराकानह्यालनु कानपा
कंदो निको हो ८ मुशलिअंवलाषानुसेश विषनजाग ९ मुशलि कांचो
अंवलाषांडषानुषमेहजा १० अंवलाकुटिकनसुकावनुतिनचैरकुटिदिनु

वुकुनिसुकाइमधुघृतसंगषानुवलहोपुष्टहो ११ इतिमुशलिप्रकारकंहं १२
सानाकाउक्काकाजरात्रैवियाकाददपकाइषानुकेंवलगदा महसंगघोटि
नाभिलावनुस्थवनहो १३ कनिदलकोजरोपानिसंगघोटिलिंगलावनुस्थ
म १४ सेतानिदलकोजरादुधपकाइकुरावनिगुडसंगषानुस्थभनहो १५ जेठिम
धुधियउसंगतोलाप्रमानषानुपुष्टहो १६ अंतलोषयरशंगरा म गरिमुषह्याल
नुपुष्टहोजिब्रोनिहो १७ षयरहरडामहसंगगोलिवाधनुमुपह्यालनुतातापा
को

नितेकु ह्मागनु फरा द्यो जिभो न की हो राति मुख ^{हा} पालि सुतनु सद्य हो ६ सवष
 टिरा भूँझि लायो त भाग १ सुपारि जाइ फल १ अमम वह हात समुद्र पेठ वैष्वा दु
 तेशषाया को भस्म भूत होइ जा ७ फुलो गंगा को पानि समुद्र को फिन वश फुला प
 शर्पानि जा फुला गंगा पारि अमम ८ बलु उष्वालि कान माहा बाधि दिनु जरा को ९
 दोषति हो नरो जा १० दारि म को वो को १ धया रा को फुल १ सिमल को षो टो १ आ
 व को कोयो १ महमा ह्यालि गेलि पारि मुष ^{हा} पालि नु पेठ दुष्वा को नि को हो अमम १०

अथ समुद्र फल को प्रकार लिखते ॥ समुद्र फल सव को नाना पानि दिनु सुमत्ता भे
 डिका दुध समुद्र फल पकावनु पान दिनु हात गोडा घसनु सद्य होइ जा १ मक
 को फल समुद्र फल प्रमेह जा २ केरा कार श समुद्र फल पात गनु जा ३ गाइ
 काराल वासि पानि माषान दिनु बिषषाया को नि को हो ४ भूँझि राज सुं पषा
 या हुं दि अन्न को दर्द जा ५ आफनु मुतषाया फुलो जा ६ राज वृद्ध घोटा कपाल ६
 मालावनु अर्ध कपालि नि को होइ जा ७ गाइ को महिरा जट्ट क गोलासन त इति

वसतनिको होइ ॥ ८ ॥ हिंग समुद्र फल ताता पानि मादिनु पेट काजु काजा ॥ ९ ॥ पूरन
फल को जरो मा होइ तिषान दिनु २ दुइ साता से तो मुत्था को जा ॥ १० ॥ वंचिता गो लि
वाधि ॥ गुसिकोषान दिनु काम जरो निको हो ॥ ११ ॥ समुद्र फल अथनु मुत घसनु षु
कुंदि जा ॥ १२ ॥ निबुवा को रस हलेदि तितो को फल वचो से तो कपाल सब कालो हो ॥ १३ ॥
समुद्र फल एक सुकि भरि जल विर निबुवा के रस काला धतुरा को रस वि
जया मथनु लिंग मा लावनु ॥ १४ ॥ भैंसिको गोवर सुको पोलनु तव

पानि रया लनु लुगा मा डो लावनु वो को थापनु भिंगि राज मथनु षान दिनु पेट
का वध कुंटे वायो जा ॥ १५ ॥ पानि मा गाइ को दहि षायो त धकारो जा ॥ १६ ॥ वषरा को मु
त उषाला वरु शइ उधा मया तनिको होइ जा ॥ १७ ॥ सुक वार का दिन निबुवा पो
लिका गति निभूव सब क पोलिर सभि जावनु ओंषां को जोति उधरै ॥ १८ ॥ हर
डा समुद्र फल कालिक मेत गुद पान्या धूपि नि सप मथनु दिशा फुक ॥ १९ ॥
लशुन बकाइनु कालो तिल निला तु यो त्यो मथनु घसनु षटि रात्रि को हो

२० इति मथनम सकोपिडा गाइकोथुनपकावसनु २१ चरकापानि येकवरन्यागा
इको गोवरयो दुइ थोक पकावनु पांलावनु इति मथन दिन देषो २२ रुषसिंवालि
समुद्रफल पाइन तपन निको हो २३ इति म वाकरा मुत मह मथनु मुषयु कथुकि
जा २४ हरग उष बुधवार कत मासि परत निको होइ जा २५ भिज्जि राज समुद्रफल
अरिडको तेल इति मथनु पानु वायुजा २६ समुद्रफल सबक गाइका महि मथि
पानु के पट जा २७ समुद्रफल खासनि कादुद मुसलि सिधो नुन वाछाले दुद

प्रांदाफेन इति मथि प्रमाति पानु राता गाइका दुध सित मात पानु पूत्र होला
२८ गुड टिबुर कर चिंज पाउ अस गंध नागेश्वरि मरिच शृंठो पिपला पिप्पिमुल
कोफल जवानु पुरसानि कुटकि नागकेशरि लवाग जाइफल केशरि कस्तुरि
पितपापटि सिगादिफल तिजगर कारस माहागोलि बांधनु बरोवरि गर्नु पानु
सर्वरोग जा २९ इति समुद्रफल प्रकार कहउ मम ॥ ॥ मासुका कुपय गुडदिनु ३ धिर
का कुपय दहि दिनु २ दहिका कुपय सिंधोदिनु ३ केराका कुपय नुन उमातिदि

नु०४ मास का कुपथ सिंधो जवानु दिनु०५ मास का कुपथ हिं ग दिनु०६ दुध का
 कुपथ पोंड दिनु०७ कसार का कुपथ गुड दिनु०८ चिनु का कुपथ नुन दिनु०९
 उमालि बासि पायोत चिशो पानि दिनु०१० अमिला का कुपथ जंहु पो लि दिनु०११
 ५ रौटा का कुपथ उव दिनु०१२ उव का कुपथ महि दिनु०१३ महि का कुपथ जिरो दि
 नु०१४ पिंडालु का कुपथ टिबुर दिनु०१५ साक का कुपथ गुड दिनु०१६ गूड का कुपथ
 दुद दिनु०१७ दहि पुदो का कुपथ लवा ग उमालि दिनु०१८ पिप्पला का कुपथ माहि दि

सिमल वशि का वुठा १ कुर्कु या का जरा २ आरु का विया ३ काला उषु ४ वलु का जरा ५
 पुरानु ओंघा ६ कुटनु कौसा का भाडा माथि ग्रावनु पानु वातुजा टिमु रमुठि
 ७ जवानु मुठि ८ मोथ्या का जरा मुठि ९ चिता का जरा मुठि १० घुर्शानि मुठि ११ नुन मु
 ठि १२ हिग तोला १ त्पेस वैभिन्नभिन्न गरि कुटनु धुलोगर्नु गाइ का धि व माहा लिप
 का वनु तव तिन अउला मरि विहान विहान पानु पेट को सर्व वेथा जा तप
 ला पिपला चुने गरि मह सग पानु नास दिनु पिना सजा मरि च गुड माक्का को पित्त को

नु०१०० षोडशकाकुपथमहिदिनु०२० महिकाकुपथपशिनाकाठनु०२१ हिंगकाकु
पथतिलादिनु०२२ तिलकाकुपथअमिलोदिनु०२३ जौरिसंगषेल्याकाकुपथजाड
फलदिनु०२४ जाडफलकाकुपथकस्तुरिदिनु०२५ जिराकाकुपथगयोदिनु०२६ गयो
काकुपथमुशुरेदिनु०२७ मुसुराकाकुपथदहिदिनु०२८ गहतकाकुपथदहिदिनु
०२९ तेलकाकुपथमाछादिनु०३० जलकाकुपथसिंधोदिनु०३१ उवाकाकुपथमुला
कोविजदिनु०३२ इति कुपथका प्रकार सम्पूर्णम् श्रीशाके ११४३ सम्वत् १८१८

आशा अरुकाये

ASHA ARCHIVES

2380